**विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय**

**कक्षा -षष्ठ** **दिनांक -30-05-2020**

**विषय -हिन्दी** **शिक्षक -पंकज सर**

**सुप्रभात बच्चों आज आप विशेषण के बारे में अध्ययन करेंगे जिसे आप ध्यान पूर्वक पढ़कर, समझकर लिखेगे।**

**विशेषण:-** वे शब्द जो संज्ञा और सर्वनाम किसी (वस्तु, पुरुष, स्थान, और इनके नाम के बदले जो सर्वनाम शब्द प्रयुक्त होते हैं) विशेषता बतलाते हैं। विशेषण कहलाते हैं।

जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम शब्द की विशेषता बताते है उन्हें विशेषण कहते है। किसी संज्ञा की विशेषता (गुण, धर्म आदि )बताये उसे विशेषण कहते है।

दूसरे शब्दों में विशेषण एक ऐसा विकारी शब्द है, जो हर हालत में संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताता है।

**जैसे:-** यह भूरी गाय है, आम खट्टे है।

उपयुक्त वाक्यों में 'भूरी' और 'खट्टे' शब्द गाय और आम (संज्ञा )की विशेषता बता रहे है। इसलिए ये शब्द विशेषण है।

**विशेष्य:-** विशेषण शब्द जिस संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, वे विशेष्य कहलाते हैं।

दूसरे शब्दों में-जिस शब्द की विशेषता प्रकट की जाये, उसे विशेष्य कहते है।

**जैसे:-** उपयुक्त विशेषण के उदाहरणों में 'गाय' और 'आम' विशेष्य है क्योंकि इन्हीं की विशेषता बतायी गयी है।

**प्रविशेषण:-** कभी-कभी विशेषणों के भी विशेषण बोले और लिखे जाते है। जो शब्द विशेषण की विशेषता बताते है, वे प्रविशेषण कहलाते है।

**जैसे:-**

- यह लड़की बहुत अच्छी है।
- मै पूर्ण स्वस्थ हुँ।

उपर्युक्त वाक्य में 'बहुत' 'पूर्ण' शब्द 'अच्छी' तथा 'स्वस्थ' (विशेषण )की विशेषता बता रहे है, इसलिए ये शब्द प्रविशेषण है।

## विशेषण के प्रकार

विशेषण मुख्यतः चार प्रकार के होते हैं।

- सर्वनाम विशेषण।
- गुणवाचक विशेषण।
- संख्यावाचक विशेषण।
- परिमाणवाचक विशेषण।
- व्यक्तिवाचक विशेषण

परिभाषा के बारे में कल अध्ययन कराया जाएगा।